

आदरणीय राजा साहेब,
सादर चरण स्पर्श,

आपके पत्र को आये एक लम्बा मरसा हो गया है। काफी
अंतराल के बाद आपको जवाब लिख रहा हूँ। इसके लिये
मैं चाहता हूँ। इन दिनों मैं रोग आपको पत्र लिखने
के लिये सोचता रहा किन्तु समय बिल्कुल ही नहीं निकाल
पाया और रात को जब कुर्सीत मिलती थी तो मैं उस
वक़्त सिर्फ़ चित्र बना पाता था। भारत भवन के कुछ
कार्यक्रमों में मरतम था और चित्र बनाने में व्यतिथस्त।
पिछले दिनों इंदौर स्कूल ऑफ़ आर्ट में एक व्याख्यान भी
था, विषय था - 'मेरी रचना प्रक्रिया' इस पर एक छोटा सा
परचा लिखा है आपको पढ़ने के लिये भेज रहा हूँ। अपनी
प्रतिक्रिया जरूर लिखियेगा। आपके आशीर्वाद से इधर
पिछले कुछ समय से चित्र कर्मों बनाता हूँ इस पर मैंने
गंभीरता से सोचना शुरू किया है। यह कर्मों बनाना है
इसे मैं लगातार चित्र बनाकर ही जानना चाहता हूँ और
शायद यह प्रक्रिया अनवरत तात्तुम चलती रहेगी।

पिछले दिनों मैं दिल्ली गया था वहाँ श्री ओ.पी.
जैन साहेब से मुलाकात की उन्होंने मुझे एक अक्टूबर से
दिल्ली आने को कहा है। प्रदर्शनी लगाने में मदद करने के
लिये। मैं एक तारीख को जा रहा हूँ मेरे लिये भी एक

अवसर होगा जिसमें मैं कुछ सीख सकूंगा। यह प्रदर्शनी लगाना भी अपने आप में एक अनुभव होगा। श्री अमल नाथ इस प्रदर्शनी का क्रेटलॉग लिख रहे हैं उनसे भी मुलाकात हुई वे भी अच्छे लगे। मेरे सभी चित्र पहुँच गये हैं। उनकी प्रेमिंग कुनिका केमोल्ड में करने के लिये दी है। आशा है प्रेमिंग अच्छी हो जायेगी। मैंने पाँचों चित्र मेहनत और लगन से बनाये हैं और वे अच्छे बन पड़े हैं। अब आगे का हाल आप जाने!

आप इस वर्ष कब आ रहे हैं? क्या इस प्रदर्शनी के दौरान आप आयेगे? मैं अक्टूबर माह लगभग पूरा माह दिल्ली में ही रहूँगा। श्रीमती रेणु मोदी एक नई गैलरी 'HABITAT' खोल रही हैं। दिल्ली में उसके लिये उन्होंने HUDCO की मदद ली है। HUDCO के Chairman श्री एस. के. शर्मा जी दरअसल यह गैलरी बनवा रहे हैं। इसके लिये वे एक आर्टिस्ट कैम्प दिल्ली में कर रहे हैं जिसमें 12 eminent Artists व 12 young Artists को आमंत्रित किया है। उसके लिए उन्होंने मुझे भी बुलाया है तो मैं एक तारीख से सात तारीख तक फ्रेन्च शो के लिये वहाँ रहूँगा। फिर तीन दिन के लिये मद्रास जाकर वापस आऊँगा दिल्ली और फिर 12 ता. से 22 ता. तक कैम्प में ही रहूँगा। शायद नवम्बर माह में बम्बई में 'सिमरोगा आर्ट गैलरी' प्रिंट्स का शो कर रही है (श्री अकबर पदमसीजी ने मुझसे कहा था प्रिंट्स बनाने के लिये तो 20 प्रिंट्स का एक सेट इसी गैलरी को बताना दिया है) इसके लिये मैं एकाध दिन के लिये बम्बई जाऊँगा।

अगले वर्ष फरवरी में मद्रास में मेरा एक शो है। अब आप इनमें से किस समय आ रहे हैं। लिखियेगा तो मैं आपसे मिलने का कार्यक्रम भी तय कर सकूँ जिससे इस बार मैं आपको अपने काम दिखाने सकूँ।

फ्रेंच क्लासेस अच्छी चल रही हैं। हमारा दूसरा सेमेस्टर भी समाप्त होने वाला है। अब धीरे धीरे समझ आ रही है। थोड़ा बोलने में जरूर कुछ कठिनाई होती है किन्तु वह दूर हो जायेगी। अभी बहुत सारी चीजें भाद होना बाकि हैं। भाषा का जो अपना मज़ा है वह अब बहुत धीरे धीरे शुरू हुआ है। देखिये आगे क्या होता है?

फ्रेंच शो मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। जिसमें मैं अपने लिये काफी कुछ सीखा। आपसे संवाद उसमें प्रमुख है। इसके कारण जो आशा का संचार हुआ है जिससे मुझे बहुत शक्ति मिली है। मेरे चित्तों में एक नई ऊर्जा मुझे दिखती है। अब यह सब आप पर है। इसका सारा श्रेय आपको है। यह आगे जारी रहेगा इसकी मैं आपको पूरी जवाबदेही दे सकता हूँ। आप मुझे निराश नहीं करेंगे इस आशा के साथ.....

आपका

—A.M.—
199.89.
(आरिक्लेश)